Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(1108)

UGC (CBCS) Ist Semester (New) Examination

1490

SANSKRIT

(Sanskrit Kavya)

(Core)

SKT DSC–101

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : Regular : 70, ICDEOL : 100

नोट :– सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कोष्ठक में दिए गए अङ्क ICDEOL के परीक्षार्थियों के लिए हैं।

खण्ड-क

1. (क) अधोलिखितप्रश्नानां **एक**पदेन उत्तरं लिखत–

(i) कालिदासेन रघुवंश महाकाव्ये कस्य वन्दना कृता ?

(ii) रघुवंशस्य प्रथमं नाम किं आसीत् ?

(iii) माघ रचित महाकाव्यस्य नाम किम् ?

(iv) संस्कृता वाणिः मनुष्यं किं करोति ?

(v) राज्ञः दिलीपस्य सेना कीदृशी आसीत् ?

(vi) शाल प्रांशुः .... वाक्यांशं पूरयत।

(vii) 'श्रृंगारशतकं' कस्य कृत्तिरस्ति ?

(viii) बौद्धमते स्कन्ध पञ्चकं किम् अस्ति ?

(ix) भारवेः वैशिष्ट्यं किम् ?

(x) जयदेवस्य कृतेः नाम किम् ? 10×1=10

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

(i) 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' उक्ति को स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'रघुवंशी राजा आश्रम व्यवस्था के पोषक थे।' स्पष्ट कीजिए।

(iii) कैसे शत्रु और मित्र बलवान् कहे गए हैं और क्यों ?

(iv) श्रृंगार शतक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(v) 'मूर्खों का आभूषण मौन है।' इसका अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। 20(30)

खण्ड-ख

2. किन्हीं **दो** पद्यों का सप्रसङ्ग सरलार्थ कीजिए–

(क) चतुर्थोपाये साध्ये तु रिपौ सान्तवमपक्रिया।

स्वेद्यमामज्वरं प्राज्ञः कोऽम्भसा परिषिञ्चति॥

(ख) सम्पदा सुस्थिरम्मन्यो भवति स्वल्पयापि यः।

कृतकृत्योविधिर्मन्ये न वर्धयति तस्य ताम्॥

(ग) त्यागाय संभृतार्थानाम् सत्याय मितभाषिणाम्।

यशसे विजिगीषूणां प्रजायैगृहमेधिनाम्॥

(घ) साहित्य संगीतिकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः।

तृणं न खादन्नपि जीवमानः तद्भागधेयं परमं पशूनाम॥ 10(15)

खण्ड-ग

3. किन्हीं **दो** पद्यांशों की व्याख्या कीजिए–

(क) तस्या धर्मरतेरासीद् वृद्धत्वं जरसा विना।

(ख) हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकाऽपिवा।

(ग) सौगतानामिवात्मान्यो नास्ति मन्त्रो महीभृताम्॥

(घ) विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः। 10(15)

खण्ड-घ

4. किसी **एक** प्रश्न का विस्तार से उत्तर दीजिए–

(क) बलराम द्वारा श्रीकृष्ण की युद्ध नीति के समर्थन में कही गई बातों का विस्तार से निरूपण कीजिए।

(ख) रघुवंशी राजाओं की विशेषताओं का विस्तार से विवेचन कीजिए।

(ग) नीति शतक में वर्णित मूर्ख पद्धति का विवेचन कीजिए।

10(15)

खण्ड-ङ

5. किसी **एक** प्रश्न का विस्तृत विवेचन कीजिए–

(क) कालिदास के स्थितिकाल का विस्तृत विवेचन कीजिए।

(ख) अश्वघोष के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

10(15)